उदयपुर के प्राचीन मंदिर और मूर्तियां आज भी उपेक्षा के शिकार

खास बातें
- नेताओं के आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ समुचित विकास
- पत्थर खदानों में मजदूर बदहाल

सौदानसिंह यादव
नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 9 मई, तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम उदयपुर, बडोह और आसपास का क्षेत्र अपनी प्राचीन कलात्मक पत्थर की मूर्तियों और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए जाना जाता है. यहां जहां भी खुदाई की जाती है, वहां से प्राचीन मूर्तियां और कलात्मक अवशेष निकल आते हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार वर्तमान उदयपुर बस्ती के नीचे भी एक प्राचीन बस्ती हुआ करती थी, जहां पत्थर की कलात्मक मूर्तियां तैयार की जाती थीं.

उदयपुर का प्राचीन पत्थरों से निर्मित कलात्मक मंदिर भारत ही नहीं बल्कि विदेशों तक कला प्रेमियों के बीच पहचान रखता है. इसके बावजूद शासन स्तर पर उदयपुर के समुचित विकास को लेकर गंभीरता नजर नहीं आती. पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान

तथा वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव भी उदयपुर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर चुके हैं. दोनों नेताओं ने मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित करने और रुकने के लिए भवन निर्माण कराने के आश्वासन दिए थे, लेकिन अब तक जमीनी स्तर पर कोई बड़ा कार्य दिखाई नहीं देता.

उदयपुर के चारों ओर वन विभाग की भूमि फैली हुई है, जहां से विभिन्न रंगों के कीमती पत्थर निकलते हैं. यहां का पत्थर देश-विदेश तक भेजा जाता है. स्थानीय लोगों का कहना है कि पत्थर खदानों से शासन को करोड़ों रुपए की रॉयल्टी प्राप्त होती है, लेकिन ग्राम पंचायत को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं कराई जाती. उनका मानना है कि यदि रॉयल्टी की राशि का सही

महाशिवरात्रि मेले में उमड़ती है आदिवासी समुदाय की भीड़, व्यवस्थाओं पर रहती नाराजगी

उदयपुर में प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग पहुंचते हैं. मेले में उनकी जरूरतों के अनुसार सामग्री, झूले एवं अन्य व्यवस्थाएं की जाती हैं.स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले यह क्षेत्र विदिशा लोकसभा क्षेत्र में शामिल था, लेकिन परिसीमन के बाद इसे सागर लोकसभा एवं कुरवाई विधानसभा क्षेत्र से जोड़ दिया गया. उस समय आम जनता ने इसका विरोध भी किया था, लेकिन उनकी आवाज नहीं सुनी गई.लोगों का आरोप है कि परिसीमन के बाद क्षेत्र विकास और मूलभूत सुविधाओं की दृष्टि से उपेक्षित हो गया है, जिसका खामियाजा आज यहां की जनता को भुगतना पड़ रहा है. स्थानीय नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से क्षेत्र की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की है.

उपयोग हो तो उदयपुर का कायाकल्प किया जा सकता है.पुरातत्व विभाग पर भी क्षेत्र की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं. लोगों का कहना है कि विभागीय अधिकारी कभी-कभार भ्रमण कर आश्वासन देकर चले जाते हैं, लेकिन संरक्षण और विकास की दिशा में ठोस प्रयास नहीं किए जाते. बड़े नेता और अधिकारी

उदयपुर की पहचान बने पहाड़ और जंगल खनन की भेंट चढ़े

तहसील के ग्राम उदयपुर की पहचान रहे पहाड़ और घने जंगल अब धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं. स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पत्थर और वन माफियाओं ने क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को बर्बाद कर दिया है. ग्रामीणों के अनुसार एक समय यहां घना जंगल हुआ करता था, लेकिन अब चारों ओर पत्थर खदानें दिखाई देती हैं.ग्रामीणों का कहना है कि पत्थर खदान संचालकों ने जेसीबी मशीनों से जंगलों के बीच रास्ते बना लिए और वन विभाग की भूमि पर अवैध रूप से खदानें तैयार कर लीं. लोगों ने इसके लिए वन विभाग और खनिज विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है. उनका कहना है कि यदि विभागीय अधिकारी सख्ती बरतते तो वन भूमि पर खनन संभव नहीं हो पाता.स्थानीय लोगों का आरोप है कि खनिज विभाग की निगरानी कमजोर होने के कारण यहां से पत्थर चोरी-छिपे देश-विदेश तक पहुंच रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि यदि रॉयल्टी और परिवहन व्यवस्था पर सख्ती से नियंत्रण रखा जाता तो अवैध पत्थर परिवहन नहीं हो पाता.ग्रामीणों ने प्रशासन पर भी लापरवाही के आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन की जानकारी होने के बावजूद समुचित कार्रवाई नहीं की गई, जिससे माफियाओं के हौसले बढ़ते गए और उदयपुर की प्राकृतिक पहचान को भारी नुकसान पहुंचा.

मंदिर की कलात्मकता की सराहना तो करते हैं, पर बाद में विकास के वादे भुला दिए जाते हैं.क्षेत्र में पत्थर खदानों में कार्यरत मजदूरों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है. मजदूर वर्षों से पत्थर की झोपड़ियों में जीवन यापन कर रहे हैं और उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है. भीषण गर्मी में पत्थरों से निकलने वाली गर्म भाप के कारण मजदूरों और उनके बच्चों में चर्म रोग सहित अन्य बीमारियां फैल रही हैं. स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोग झोलाछाप डॉक्टरों पर निर्भर हैं.

बंद गेट के सामने बने गति अवरोधक बने मुसीबत

नवभारत न्यूज

सांची. सांची से होकर गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर सांदीपनि विद्यालय के समीप बनाए गए गतिअवरोधक अब स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं. विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूर्व में विद्यालय के जिस गेट के सामने ये गतिअवरोधक बनाए गए थे, वह गेट अब बंद कर दिया गया है और वर्तमान में स्कूल का मुख्य गेट उपयोग में लाया जा रहा है.

ऐसी स्थिति में पहले बनाए गए गतिअवरोधक अब अनुपयोगी हो चुके हैं. इसके बावजूद इन्हें हटाने या उचित स्थान पर बनाने की दिशा में संबंधित विभागों द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया है.स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन गतिअवरोधकों का निर्माण तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं किया गया है. इनमें न तो रेडियम मार्किंग है और न ही चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाए गए हैं. रात के समय तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहन जब इन पर अचानक चढ़ते हैं तो तेज आवाज होती है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों की रात की नींद तक प्रभावित हो रही है.अब उस गेट का उपयोग लगभग बंद हो चुका है. बावजूद इसके पुराने स्पीड ब्रेकर यथावत बने हुए हैं और लोगों की परेशानी का कारण बन रहे हैं.स्थानीय लोगों ने मांग की है कि बंद गेट के सामने बने पुराने गतिअवरोधकों को हटाया जाए तथा विद्यालय के मुख्य गेट के पास मानकों के अनुरूप नए गतिअवरोधक बनाए जाएं, ताकि छात्रों एवं वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके.विधायक प्रतिनिधि संजीत वर्मा ने कहा कि इस समस्या से विधायक को अवगत कराया जाएगा तथा बंद गेट के सामने बने गतिअवरोधकों को हटाकर विद्यालय के मुख्य गेट के पास नए स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग संबंधित विभाग से की जाएगी.

एक नजर में

आर्थिक मदद जारी

नवभारत न्यूज

विदिशा, सर्पदंश के एक प्रकरण में विदिशा उपखण्ड अधिकारी के द्वारा मृतक के परिजन को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता के आदेश जारी किए गए है. जारी आदेश में उल्लेख है कि ग्राम रूसल्ली में कृषि कार्यो के दौरान सर्पदंश से श्रीमती मोहरबाई की मृत्यु हो जाने पर मृतिका के पति मूलचंद रैकवार पिता तोरन सिंह निवासी रूसल्ली को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता आरबीसी 6(4) के प्रावधानो तहत जारी की गई है.

स्वयं स्वस्थ बनो अभियान समिति एवं रक्त सेवा समिति की संयुक्त बैठक संपन्न

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. स्वयं स्वस्थ बनो अभियान समिति एवं रक्त सेवा समिति की संयुक्त बैठक संपन्न हुई. बैठक में समिति के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे तथा आगामी योग शिविर की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई.बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 मई से 24 मई तक मानस भवन में योग शिविर आयोजित किया जाएगा. शिविर को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा कार्ययोजना तैयार की गई. समिति ने अधिक से अधिक महिला एवं पुरुषों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया.बैठक में रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी, अध्यक्ष राकेश जैन, उपाध्यक्ष परवेज फजलानी, ओमप्रकाश जैन, सचिव अनिल दुबे, कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष महिला शाखा श्रीमती विद्या यादव, सचिव श्रीमती रेहाना फजलानी, संरक्षक श्रीमती प्रमिला तिवारी, श्रीमती मीनेश यादव, महेंद्र सिंह रघुवंशी, राजेंद्र गौर, मोहित समैया, अनुराग जैन, जगपाल सिंह, लखपत सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे.

शिवधाम में गूंजा राम नाम, भव्य कलश यात्रा के साथ धार्मिक महोत्सव का शुभारंभ

- शुरू हुआ 7 दिवसीय आयोजन
- महोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. समीपस्थ स्वयंभू शिवधाम गमाकर में श्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर आयोजित 7 दिवसीय धार्मिक महोत्सव का शुभारंभ रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ. शिवधाम से प्रारंभ हुई कलश यात्रा में राम नाम की गूंज से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा.

सिर पर कलश धारण किए मातृशक्ति, ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और जय श्रीराम व हर-हर महादेव के जयघोषों के साथ यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर निकली. इस दौरान ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया. यात्रा ने पूरे क्षेत्र को धर्ममय वातावरण से सराबोर कर दिया.आयोजन समिति के अनुसार स्वयंभू शिवधाम गमाकर स्थित कई वर्षों पुराने राज मंदिर में श्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ को धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है. कलश यात्रा के साथ ही श्रीराम कथा एवं पंच दिवसीय आराध्य पार्थिव शिवलिंग रुद्री निर्माण शिवार्चन महोत्सव का शुभारंभ भी किया गया.

कार्यक्रम में कथावाचक पूज्य देवी रमा किशोरी जी द्वारा श्रीराम कथा का रसपान कराया जा रहा है, जबकि धार्मिक अनुष्ठानों एवं शिवार्चन महोत्सव का संचालन यज्ञाचार्य धर्माचार्य पं. लक्ष्मीनारायण शास्त्री द्वारा किया जा रहा है. आयोजन के दौरान असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक प्रवचन प्रतिदिन आयोजित किए जाएंगे.धार्मिक आयोजन 16 मई तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होगा. आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कार एवं सनातन संस्कृति के प्रति आस्था को मजबूत करना है.कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, युवा, मातृशक्ति एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहे. समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है.

दवा विक्रेताओं का 20 मई को राष्ट्रव्यापी बंद का ऐलान

नवभारत न्यूज

विदिशा, ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने 20 मई बुधवार को देशव्यापी बंद का ऐलान किया है. संगठन के अनुसार देशभर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट और दवा वितरक ऑनलाइन फार्मेसी की अनियंत्रित कार्यप्रणाली और शोषणकारी मूल्य निर्धारण के विरोध में आंदोलन करेंगे.संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे ज्ञापन में आरोप लगाया है कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद सरकार द्वारा दवा व्यापार से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई. इससे देशभर के दवा विक्रेताओं में भारी नाराजगी है. ई-फार्मेसी प्लेटफॉर्म नियमों की कमजोरियों का फायदा उठाकर बिना भौतिक सत्यापन के दवाओं की बिक्री कर रहे हैं. इससे एक ही प्रिस्क्रिप्शन का बार-बार उपयोग हो रहा है. संगठन ने दावा किया कि ढ्ढ आधारित फर्जी प्रिस्क्रिप्शन के जरिए एंटीबायोटिक्स और नशीली दवाओं की अनियंत्रित बिक्री हो रही है, जिससे एंटी-माइक्रोबियल रेसिस्टेंस जैसे गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं.

तुलावट संघ का प्रतिनिधिमंडल मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक से मिला

- चक्रपद्धति से ड्यूटी लगान
- आईडी व्यवस्था में सुधार और सीसीटीवी निगरानी की उठाई मांग

नवभारत न्यूज

विदिशा. कृषि उपज मंडी मजदूर महासंघ से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने 8 मई को मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के प्रबंध संचालक (एमडी) से मुलाकात कर तुलावटियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा.

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व महेंद्र सोनी ने किया. उन्होंने कहा कि प्रदेश की समस्त मंडियों में बड़े और छोटे तौल कांटों पर चक्रपद्धति से अनुज्ञप्तिधारी तुलावटियों की ड्यूटी लगाई जानी चाहिए.उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े तौल कांटों पर बनी आईडी का दुरुपयोग हो रहा है, जिससे मंडी को राजस्व की हानि पहुंच रही है और व्यापारियों की मनमानी बढ़ रही है. प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि बड़े तौल कांटों पर संचालित वर्तमान आईडी व्यवस्था को निरस्त कर वन डिवाइस प्रणाली के माध्यम से अपडेट किया जाए, ताकि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आईडी लॉगिन न की जा सके.प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग उठाई कि धर्मकांटा ऑपरेटरों की तुलावटी अनुज्ञप्ति आईडी निरस्त की जाए. उनका कहना था कि कई स्थानों पर व्यापारी के दबाव में कम वजन दर्ज किया जाता है, जिससे मंडी राजस्व को भारी नुकसान होता है.तुलावटियों को मजदूरी मंडी समिति के माध्यम से दिए जाने की मांग भी प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखी गई. इस दौरान मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि प्रदेश की सभी मंडियों में तुलावट भाइयों की गतिविधियों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की जाएगी. प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से गोपाल गुर्जर, धीरज नागर, कमलेश साहू, मोहन जायसवाल एवं अनीश भाई उपस्थित रहे.

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत आवेदन 12 तक

नवभारत न्यूज

विदिशा, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत द्वारका-सोमनाथ के लिए आवेदन 12 तक आमंत्रित किए गए है। संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती दीपा केशरवानी ने बताया कि मध्यप्रदेश के वरिष्ठ नागरिक जो 60 वर्ष से अधिक आयु के व महिलाओं के मामले में दो वर्ष की छूट, आयकरदाता ना हो तीर्थ दर्शन हेतु अपने आवेदन निर्धारित प्रारूप में अंतिम तिथि 12 तक जमा कर सकते है. शहरी क्षेत्र के आवेदक नगरीय निकाय में तथा ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक संबंधित जनपद पंचायत में कार्यालयीन दिवसों, अवधि में अंतिम तिथि 12 तक जमा कर सकते है. संयुक्त कलेक्टर श्रीमती केशरवानी ने बताया कि विदिशा जिले से कुल 196 तीर्थयात्री द्वारका-सोमनाथ के लिए स्पेशल ट्रेन से प्रस्तावित तिथि 26 मई को रवाना होंगे और तीर्थदर्शन के उपरांत एक जून को वापिस विदिशा आएंगे.

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत से लायरा को नगर परिषद बनाने की मांग

नवभारत न्यूज

कुरवाई. कुरवाई तहसील क्षेत्र की बड़ी ग्राम पंचायत लायरा को नगर परिषद का दर्जा देने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है. क्षेत्र के नागरिकों ने प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को ज्ञापन सौंपकर लायरा को नगर परिषद घोषित करने की मांग की.

कुरवाई-बीना-सागर मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत लायरा में लगभग 2 किलोमीटर क्षेत्र में 5 हजार से अधिक आबादी निवास करती है. ग्रामीणों का कहना है कि बढ़ती आबादी और क्षेत्रीय विकास की आवश्यकताओं को देखते हुए लायरा को नगर परिषद का दर्जा दिया जाना जरूरी है.ज्ञापन सौंपने के दौरान बीना-कुरवाई क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यजीत सिंह ठाकुर विशेष रूप से मौजूद रहे.मंत्री राजपूत का स्वागत करने और ज्ञापन सौंपने वालों में मोहम्मद हुसैन, महेंद्र राजपूत, संतोष श्रीवास्तव, वीरेंद्र चौहान, रतिराम लोधी, महेंद्र चौरसिया, रवि लोधी, टिंकू राजपूत, उपेन्द्र राजपूत शामिल रहे.

विदिशा में शिक्षा संबल परीक्षा को लेकर छात्रों में उत्साह

- प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु दिया जा रहा मार्गदर्शन

नवभारत न्यूज

विदिशा, नगर के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है. सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत हिंदी माध्यम के विद्यार्थी शिक्षा संबल परीक्षा में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं.शिक्षा संबल परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमता का आकलन किया जा रहा है.साथ ही उन्हें भविष्य की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने का प्रयास भी किया जा रहा है.परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और सकारात्मक माहौल देखने को मिला.शिक्षकों द्वारा भी विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी, मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे छात्र आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल हो सकें.

एलन की योजना से हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को मिलेगा नीट तैयारी का अवसर

लन की शिक्षा संबल योजना के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन 10 मई 2026 को किया गया. यह परीक्षा हिंदी भाषी राज्यों के सरकारी स्कूलों के उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई, जिन्होंने 12वीं कक्षा बायोलॉजी विषय के साथ उत्तीर्ण की है.परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों को एलन कोटा में एक वर्ष तक नीट परीक्षा की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग, रहना एवं खाना उपलब्ध कराया जाएगा. योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है.पूर्व में इस परीक्षा का केंद्र केवल भोपाल में बनाया गया था, जिससे दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वहां पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था. इस समस्या को देखते हुए कलेक्टर अंशुल गुप्ता के विशेष प्रयासों से इस बार परीक्षा केंद्र विदिशा में बनाया गया.

आयोजन 250 छात्रों ने किया वंदे मातरम् का सामूहिक गायन, टैगोर जयंती व वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजन

समर्थ भारत संवाद में दिखा राष्ट्रभक्ति व संस्कृति का संगम

नवभारत न्यूज

सिरोंज, शासकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में समर्थ भारत संवाद मासिक कार्यक्रम के अंतर्गत भारत की सांस्कृतिक एकता, राष्ट्रभक्ति और साहित्यिक चेतना को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई सिरोंज द्वारा विश्वविख्यात साहित्यकार रविंद्रनाथ टैगोर की जयंती तथा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया.

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया. विद्यार्थियों एवं परिषद के कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन किया. इस सामूहिक गायन में 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया. इस दौरान महाविद्यालय परिसर देशभक्ति के वातावरण से गूंज उठा. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महान साहित्यकार रविंद्रनाथ टैगोर ने अपने साहित्य, विचारों और गीतों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई. उनका जीवन भारतीय सभ्यता, मानवता और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक रहा है. उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् भारत की स्वतंत्रता चेतना का आधार रहा है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाखों देशभक्तों में ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया. वर्तमान समय में युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रभक्ति और भारतीय मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता है. ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के साथ-साथ उन्हें देश के इतिहास, संस्कृति और महान विभूतियों से परिचित कराते हैं. इस दौरान विभाग छात्रा प्रमुख एवं प्रांत कार्य समिति सदस्य वंदना यादव, नगर अध्यक्ष आयुष सक्सेना, विनायक सोनी, हर्ष नेमा, संजय मालवीय, राज शर्मा, कृष्णा सोनी सहित अभाविप कार्यकर्ता तथा महाविद्यालय के छात्र मौजूद रहे.

मदर्स डे पर भारत भारती जैन मंडल ने वितरित किए पक्षियों के जल पात्र

नवभारत न्यूज

विदिशा. मदर्स डे के उपलक्ष्य में भारत भारती जैन मंडल द्वारा पक्षियों के लिए जल पात्र (सकोरे) वितरित किए गए. मंडल प्रमुख नीता सराफ ने बताया कि भीषण गर्मी में पक्षियों की रक्षा एवं उनके लिए पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पुनीत कार्य पिछले 19 वर्षों से लगातार किया जा रहा है.उन्होंने बताया कि इस वर्ष नवरात्रि एवं गुड़ी पड़वा से जल पात्र वितरण अभियान प्रारंभ किया गया था, जिसे विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चलाया जा रहा है. मंडल की महिलाओं ने लोगों से अपने घरों एवं आसपास पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील भी की.कार्यक्रम में मंडल की सदस्य सपना जैन, विभा जैन, नीतू जैन, महक सराफ, निकिता जैन, मास्टर अरिंजय सराफ सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे.

श्रीमद् भागवत कथा में बह रही ज्ञान की गंगा

नवभारत न्यूज

सिरोंज, श्री महामाई माता मंदिर डांग वाली के दरबार में 121 कुंडात्मक श्री विद्या महालक्ष्मी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन धर्म एवं ज्ञान की गंगा बह रही है. जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं. क्षत्रिय बघेल राजपूत समाज द्वारा 7 मई से 15 मई तक महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें प्रतिदिन बड़ी तादाद में भक्त आहुतियां अर्पित कर रहे हैं. इसी क्रम में 7 मई से 14 मई तक प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा में कथा वाचिक गौसेवा कुंज उज्जैन से आई सुगना बाईसा श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करा रही हैं. कथा के तृतीय दिवस उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा इस संसार सागर से पार लगाने वाली दिव्य कथा है. इसके श्रवण मात्र से मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं. तथा जीवन को सही दिशा प्राप्त होती है. जो व्यक्ति सच्चे मन से प्रभु का नाम स्मरण करता है उसका जीवन सफल हो जाता है. उन्होंने धर्म के मार्ग पर चलने, माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने तथा सदाचारपूर्ण जीवन अपनाने का संदेश दिया. कथा एवं महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे.

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250
मोबाइल के प्ले स्टोर पर
Vikas Pachori Radio
टाइप करके इंस्टॉल कीजिए
और लगातार 24 घण्टे
आनंद लीजिए.